विद्या भवन, बालिका विद्यापीठ ,लखीसराय

रूपम कुमारी, वर्ग दशम, विषय, हिंदी दिनांक 4 सितंबर 2020

पाठ्य -सहगामी -अभिक्रिया

शिक्षा का उद्देश्य किताबी ज्ञान को दिमाग में उतारना नही है , शिक्षा का उद्देश्य ज्ञान और विवेक को आत्मा में उतार कर हमारे व्यवहार परिवर्तन , चहुमुखी विकास का प्रमुख साधन बनना है । शिक्षक दिवस की प्रासंगिकता मात्र विद्यालय पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं है अपने आचरण व्यवहार , कथन से हमारे जीवन को प्रभावित करने वाला हर छोटा बडा व्यक्ति , पशु पक्षी , जड चेतन हमारा श दिवस की अग्रिम शुभ कामनाएं !

डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन विद्यालय थे बहुमुखी प्रतिभा के धनी विद्वान शिक्षक प्रवक्ता प्रशासक राजनीतिक देशभक्त और शिक्षा शास्त्री डॉक्टर ने जीवन में अनेक उच्च पदों पर रहते हुए भी शिक्षा के क्षेत्र में अपना अमूल्य

योगदान दिया उनका कहना था कि यदि शिक्षा सही प्रकार से दी जाए तो समाज से अनेक बुराइयों को मिटाया जा सकता है ।

उन के अनमोल विचार –

शिक्षक वह नहीं जो छात्र के दिमाग में तथ्यों जबरन भरे , बल्कि वास्तविक शिक्षक तो वह है जो उसे आने वाले कल की चुनौतियों के लिए तैयार करें ।

गतिविधियां -

- ***डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवनी को पढ़ें तथा उपलब्ध जानकारी के आधार पर यह लिखे कि उन्हें 'सर' की उपाधि कब, क्यों और कैसे दी गई ?***
  अगर तस्वीर बनानी आती हो तो उनकी एक तस्वीर बनाकर घर में टांगे

और कल माल्यार्पण करके उसकी तस्वीर भेजें ।